THE OXFORD COLLEGE OF SCIENCE

हिन्दी असाइनमेंट
वैश्विक तापमान

को प्रस्तुत -

SURESH RATHOD
SIR.

द्वारा प्रस्तुत -

BINDHYA RAJ.S
19RNDS85212
BCZ1Db

INDEX

	CONTENT	PAGE NO.
1	प्रस्तावना	1 - 5
2	प्रदूषण	5 - 6
3	जनसंख्या वृद्धि	6 - 6
4	आरेख	7 - 7
5	औद्योगीकरण	8 - 10
6	ओजोन परत में कमी आना	10 - 12
7	निष्कर्ष	13 - 13
8	उल्लेख	14 - 14

ग्लोबल वार्मिंग

प्रस्तावना -

आज के युग में मनुष्य दिनों- दिन कई तरह की नई-नई तकनीकें विकसित करता आ रहा है, विकास के लिए मनुष्य कई तरह से प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहा है जिसकी वजह से प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में बहुत कठिनाई हो रही है, इन सब के कारण धरती को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें से ग्लोबल वार्मिंग एक बहुत ही भयंकर समस्या है, ग्लोबल वार्मिंग हमारे देश के लिए ही नहीं अपितु पूरे विश्व के लिए बहुत बड़ी समस्या है, सूरज की

रोशनी को लगातार ग्रहण करते हुए हमारी पृथ्वी दिनों-दिन गर्म होती जा रही है, जिससे वातावरण में कॉर्बनडाई ऑक्साइड का स्तर बढ़ रहा है। इस समस्या से ना केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाले प्रत्येक प्राणी को नुकसान पहुँच रहा है.

और इस समस्या से निपटने के लिए प्रत्येक देश कुछ ना कुछ उपाय लगातार कर रहा है परंतु यह ग्लोबल वार्मिंग घटने की बजाय निरंतर बढ़ ही रहा है, इस समस्या से निपटने के लिये लोगों को इसका अर्थ, कारण और प्रभाव पता होना चाहिये जिससे जल्द से जल्द इसके समाधान तक पहुँचा जा सके। इससे मुकाबला करने के लिये

इसका समाधान करना चाहिए।

भूमंडलीय अध्ययन या ग्लोबल वॉर्मिंग का अर्थ

ग्लोबल का अर्थ है पृथ्वी और वॉर्मिंग का अर्थ है गर्म, भूमंडलीय अध्ययन का अर्थ पृथ्वी की निकटस्थ - सतह वायु और महासागर के औसत तापमान में 20वीं शताब्दी से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता है।

आसान शब्दों में समझे तो ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ है 'पृथ्वी के तापमान में वृद्धि के तापमान में हो रही इस वृद्धि के परिणाम स्वरूप बारिश के तरीकों में बदलाव, हिमखंडों और ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के जल-स्तर में वृद्धि और वनस्पति तथा जन्तु जगत पर

प्रभावों के रूप के सामने आ सकते हैं।

भूमंडलीय अष्वीकरण या ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण

ग्लोबल वार्मिंग के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार ग्रीन हाउस गैसें हैं। ग्रीन हाउस गैसें वे गैसें होती हैं, जो सूर्य से मिल रही गर्मी को अपने अंदर सोख लेती हैं। ग्रीन हाउस गैसों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण गैस कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है। दूसरी ग्रीनहाउस गैसें हैं - नाइट्रोजन आक्साइड, CFCs क्लोरिन और ब्रोमाईन कम्पाउंड आदि, ये सभी वातावरण में एक साथ मिल जाते हैं और

वातावरण के रेडियोएक्टिव संदूषण को बिगाड़ते हैं। इनके पास गर्मी विकीरण को सोखने की क्षमता है जिससे धरती की सतह गर्म होने लगती है।

प्रदूषण

वायुमंडल के तापमान में होने वाली लगातार में वृद्धि के कारणों में प्रदूषण भी एक कारण है। प्रदूषण कई तरह का होता है। - वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि।

प्रदूषण के कारण वायुमंडल में कई तरह की गैसें बनती जा रही है, ये गैसें ही तापमान

वृद्धि का मुख्य कारण है और प्रदूषण इन गैसों को बनाने में मदद करता है।

जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या वृद्धि भी वायुमंडल के तापमान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है क्योंकि एक रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग में 90 प्रतिशत योगदान मानवजनित कार्बन उत्सर्जन का है।

भूमंडलीय अंतर्वीकरण रोको

औद्योगीकरण

शहरीकरण को बढ़ावा देते हुए शहरी इलाकों में कारखाने और कम्पनियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। जिनसे विषैले पदार्थ, प्लास्टिक, रसायन, धुआँ आदि निकलता है, ये सभी पदार्थ वातावरण को गर्म करने का कार्य बखूबी निभाते हैं।

जंगलों की कटाई

मनुष्य अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ करता रहता

है, मनुष्य ने धरती के वातावरण को संतुलित बनाए रखने वाले पेड़-पौधों को काट कर वातावरण को अत्याधिक गर्म कर दिया है, जिसके कारण समुद्र का जल-स्तर बढ़ रहा है, समुद्र के इस तरह जल-स्तर बढ़ने से दुनिया के कई हिस्से जल में लीन हो जाएंगे भारी तबाही मचेगी यह किसी मित्र युद्ध या किसी "एस्टेरॉयड" के पृथ्वी से टकराने से होने वाली तबाही से भी

ज्यादा भयानक तबाही होगी, यह हमारी पृथ्वी के लिए बहुत ही हानिकारक सिद्ध होगा।

ओजोन परत में कमी आना

अंटार्टिका में ओजोन परत में कमी आना भी ग्लोबल वार्मिंग का एक कारण है। CFC गैस के बढ़ने से ओजोन परत में कमी आ रही है, ये ग्लोबल वार्मिंग का मानव जनित कारण है। CFC गैस का इस्तेमाल कई जगहों पर औद्योगिक तरल सफाई में

एरोसॉल्स प्रदूषण की तरह और प्रिज्म में होता है, जिसके नियमित बदले से ओजोन परत में कमी आती है।

ओजोन परत का काम धरती को नुकसान दायक किरणों से बचाना है। जबकि, धरती के सतह की लगातार बढ़ना इस बात का संकेत है कि ओजोन परत में क्षरण हो रहा है। सूरज की हानिकारक अल्ट्रा वॉइलेट किरणें जीवमंडल में प्रवेश कर जाती है और ग्रीनहाउस गैसों के द्वारा उसे सोख लिया जाता है जिससे

अंततः ग्लोबल वार्मिंग में बढ़ोतरी होती है।

उर्वरक और कीटनाशक

खेतों में फसलों को कीड़ों से बचाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली उर्वरक और कीटनाशक पर्यावरण के लिए हानिकारक है। ये केवल मिट्टी को ही प्रदूषित नहीं करते बल्कि पर्यावरण में कार्बन डाइआक्साइड, मीथेन और नाइट्रस आक्साइड जैसी गैसों को छोड़ते हैं जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए ज़िम्मेवार है।

निष्कर्ष

हमें जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के बीच संबंध के बारे में हमारी अपनी समझ का विस्तार करना होगा। हमें ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों से निपटने के लिए सभी आवश्यक विकल्पों, जो कि तकनीकि एवं सामाजिक रूपांतरों के बेहतर सामंजस्य द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं, की तलाश करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

उल्लेख

- पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं, ग्लोबल को दूर भगायें।
- वृक्ष लगाने का करो निश्चय, ग्लोबल वार्मिंग का अंत है तय।
- ग्लोबल वार्मिंग का आतंक है, समाज से तय हमारा अंत है।
- ग्लोबल वार्मिंग पर कड़ा प्रहार, वृक्ष लगाएं एक हजार।